तर्ज-सैयां छेड़ देवे,ननन्द चुटकी लेवे ससुराल गैंदा

पिया दिल देवें रूहों को दिल लेवें,अर्श लीला मूल
पिया सुख देवें रुहें सुख लेवें,अर्श लीला मूल
आप पिया रीझें रूहों को रिझावें,अर्श लीला मूल
छूटा ये झूठा सुपना,म्हारे अर्श पिया का हो...

1- पाग पहन,खाए के बीड़ी पान,
सबसे अलग म्हारे पिया जी की शान
छूटा...
2- नैन निहारूं पड़े मोहे चैन
मीठे लगे म्हारे पिया जी के बैन
छूटा...
3- जामां जड़ाव पिया के अंग सोहे
जब ही निहारें म्हारा मन मोहे
छूटा..
4- पिया हैं सुखकारी,लीला है अति न्यारी
सुरतीया निहारूं जियरा सुख पावे
छूटा..

Nijanand App